

सीएम धामी के नेतृत्व में पारदर्शी खनन व्यवस्था की मिसाल: निदेशक राजपाल लेघा को मिलेगा 'इंडियाज ऑनेस्ट इंडिपेंडेंस ऑनर', उद्योगपति हरिश मुंजाल ने की सराहना

देहरादून/उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधारों को लेकर किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव विभिन्न विभागों में दिखाई दे रहा है। खासकर खनन विभाग में पिछले कुछ समय से

प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा खनन गतिविधियों को नियंत्रित और नियमित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे सरकार के राजस्व में भी वृद्धि देखने को मिली है। इसी विषय पर उद्योगपति हरिश मुंजाल ने भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खनन



निदेशक राजपाल लेघा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य में पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिला है। हरिश मुंजाल ने बताया कि सरकार

व्यवस्था सुधार, पारदर्शी नीतियों और सख्त प्रशासनिक कार्यशैली के कारण व्यापक सराहना हो रही है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड के खनन निदेशक राजपाल लेघा को उनके ईमानदार और प्रभावी प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रतिष्ठित 'इंडियाज ऑनेस्ट इंडिपेंडेंस ऑनर' से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान खनन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने, अवैध खनन पर नियंत्रण करने और नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू करने में उनके योगदान को देखते हुए दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी की स्पष्ट नीति और प्रशासनिक दृढ़ता के कारण प्रदेश में खनन व्यवस्था को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में लगातार

द्वारा बनाई गई नई खनन नीति से व्यवस्था में काफी सरलीकरण आया है और अब खनन पटों की नीलामी पूरी तरह पारदर्शी तरीके से ई-ऑक्शन के माध्यम से की जाती है। इससे खनन क्षेत्र में निष्पक्षता और व्यवस्था दोनों मजबूत हुई हैं। उन्होंने कहा कि पहले आम लोगों के मन में खनन क्षेत्र को लेकर कई तरह की धारणाएँ थीं। उन्हें भी लगता था कि खनन क्षेत्र में गुंडागर्दी और दबाव का माहौल रहता होगा, इसलिए वे इस क्षेत्र से दूर ही रहते थे। लेकिन समय के साथ लोगों और अधिकारियों से जानकारी मिली कि अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब खनन क्षेत्र में खनन माफ़ियाओं का नहीं बल्कि खनन व्यवसाय करने वाले लोगों का वातावरण

बन रहा है। इसी विश्वास के साथ उन्होंने भी खनन क्षेत्र में काम करने का निर्णय लिया। काम शुरू करने के बाद उन्हें कहीं भी किसी प्रकार की गुंडागर्दी या अव्यवस्था देखने को नहीं मिली, बल्कि पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रही है। हरिश मुंजाल ने कहा कि सरकार द्वारा बनाई गई प्रभावी खनन नीति के कारण प्रदेश में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर भी मिले हैं। इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोग जुड़े हैं और उन्हें आजीविका।

हाथी ने गेहूं की फसल को रौंदा

बाजपुर। बरहैनी जंगल से सटे गांव झारखंडी में हाथी के आने से ग्रामीणों में दहशत है। बृहस्पतिवार देर रात हाथी ने एक खेत में घुसकर गेहूं की फसल रौंदा दी। ग्रामीणों ने टार्च की रोशनी और कनस्तर बजा कर हाथी को खदेड़ा। गांव झारखंडी निवासी किसान राजेंद्र सिंह बिष्ट के खेत में बृहस्पतिवार की देर रात एक हाथी घुस आया। हाथी ने गेहूं की आधा बीघा से अधिक फसल को नष्ट कर दिया। शुक्रवार सुबह किसान राजेंद्र सिंह बिष्ट और ग्रामीणों ने वन विभाग से बरहैनी जंगल सीमा की चमकीली तार से बाड़ कराने की मांग की है। इससे जंगली जानवरों को आबादी और खेतों की तरफ आने से रोका जा सके।